

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभागा, उत्तरांचल,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून, दिनांक 13-2-2006
जनवरी 2006

विषय:- बाढ़ सुरक्षा कार्य की वित्तीय वर्ष 2005-06 में प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि "जनपद पौड़ी गढ़वाल में कमलेश्वर (श्रीनगर) की बाढ़ सुरक्षा की पुनरीक्षित योजना" रु0 167.28 लाख के पुनरीक्षित आगणन पर टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत लागत रु0 164.59 लाख (रुपये एक करोड़ चौसठ लाख उनसठ हजार मात्र) की लागत के पुनरीक्षित आगणन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- 1- उक्त बाढ़ योजना पर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व इस बाढ़ योजना के आगणन पर सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
- 2- उक्त कार्यों के निष्पादन में वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स, टेण्डर विषयक नियम, मितव्ययता के सम्बन्ध में आदेश एवं शासन द्वारा इस विषय में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का पालन किया जाय।
- 3- स्वीकृत की जा रही बाढ़ योजना का कार्य समयवद्ध रूप से पूर्ण किया जाय।
- 4- कार्य की गुणवत्ता एवं समयवद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 5- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित कराया जाय। जो दरें शिडूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बजार भाव से ली गयी है कि स्वीकृति भी नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से प्राप्त की जाय।
- 6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जानी होगी बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ नहीं किया जायेगा।
- 7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- एकमुस्त प्राविधान पर कार्य करने से पूर्व निस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक होगी।

क्रमशः.....2

- 9- कार्य करने से पूर्व तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर एवं सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य सुनिश्चित किया जायेगा।
- 10- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भान्ति निरीक्षण उच्चाधिकारियों से अवश्य करा ले निरीक्षण के पश्चात स्थलीय आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 11- निर्माण सामग्री प्रयोग में लेने से पूर्व किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग कराकर उपयुक्त पायी जाने पर ही सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 12- इस आदेश द्वारा योजना की मात्र प्रशासनिक स्वीकृति दी जा रही है। योजना के क्रियान्वयन हेतु आवश्यकतानुसार धनाटन मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष के द्वारा शासनादेश सं० 4725/11-2005-03(08)/05 दिनांक 30.12.2005 के द्वारा उनके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि से आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के आशासकीय संख्या-07/XXVII(2)/2006, दिनांक 08.02.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव

संख्या: 981/11-2006-04(59)/03 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० राज्य मंत्री, सिंचाई एवं ऊर्जा, उत्तरांचल।
- 3- वित्त अनुभाग-2।
- 4- जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 5- नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
- 6- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल।
- 8- गार्ड फाईल।

(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव